[Total No. of Questions - 7] [Total No. of Printed Pages - 2]
(2126)

16449(D)

B. Pharmacy (Ayur.) 8th Semester Examination

Bhaishajya Kalpana-IV (NS)

BPA-813

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

The candidates shall limit their answers precisely within the answer-book (40 pages) issued to them and no supplementary/continuation sheet will be issued.

Note : Question 1 is compulsory and candidates attempt any five question out of remaining six.

1. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
   Write short notes on the following:
   (a) सौवीरक (Sauveerak)
   (b) प्रसन्ना (prasannna)
   (c) मैरेयक (maireyak)
   (d) उत्तर बस्ति (Uttar basti)
   (e) बस्ति नेत्र (bastinetra)
   (f) स्नेह पाक प्रकार (sneha pak types)
   (g) मात्रा बस्ति (matra basti)
   (h) बस्ति के गुण (basti ke guna)
   (i) सीधु कल्पना (seedhu kalpana)
   (j) आसव के गुण (asav ke guna) (2×10=20)

2. स्नेह कल्पना के सन्दर्भ में मूर्च्छना का महत्व प्रतिपादित करते हुये स्नेह पाक करने के नियमों का उल्लेख करें।
   What is the importance of 'Murchana' in the context of sneha kalpana? Describe rules of Sneha paka. (10)

3. निम्न कल्पनाओं पर सम्यक् प्रकाश डालें।
   Explain the following:
   (a) धूमपान कल्पना (Dhoompan kalpana)
   (b) अनुवासन बस्ति कल्पना (Anuvasan basti kalpana)
   (c) वारुणी कल्पना (varuni kalpana)
   (d) आश्च्योतन कल्पना (Ashchyotan kalpana) (10)

4. संधानकल्पना की परिभाषा, सामान्य निर्माण विधि सहित लिखें।
   Define the Sandhan kalpana with general method of preparation. (10)

5. निम्न विषयों में अन्तर स्पष्ट करें।
   Write the difference between following topics:
   (a) मर्श एवं प्रतिमर्श कल्पना (marsh & pratimarsh kalpana)
   (b) अनुवासन बस्ति एवं आस्थापन बस्ति (Anuvasan basti & asthapan basti)
   (c) आसव एवं अरिष्ट कल्पना (asava & arista kalpana)
   (d) सुरा एवं प्रसन्ना कल्पना (sura & prasanna kalpana) (10)

6. मद्य एवं शुक्त कल्पना के बारे आप क्या समझते हैं? कांजी कल्पना की निर्माण विधि एवं उपयोगिता का उल्लेख करें।
   What do you know about Madya kalpana & shukt kalpana? Write the preparation method & utility of kanjik kalpana. (10)

7. जात्यादि तैल एवं द्राक्षारिष्ट की निर्माण विधि एवं उपयोग लिखें।
   Write process of preparation with utility of Jatyadi Taila & Draksharisht. (10)